**उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड**

**परीक्षा – मार्च, 2013**

**अंक योजना हिन्दी (केंद्रिक)**

**कूटबंध सं. 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3**

**कक्षा – XII**

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | खण्ड 'क' | |
| 1. | | | | | **1x5 = 5 अंक** |
| (क) | ✓ | ✓ | ✓ | लोगों में विचारों की संकीर्णता/स्वार्थी प्रवृत्ति/सत्य से डरने की प्रवृत्ति है। | **1** |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | निन्दक, साम्प्रदायिक, स्वार्थी, शांतिप्रियता विरोधी, बुरों का गुणगान, अपराधियों का गुणगान करने वाले, धन–वैभव के लोभी आदि। (इनमें से **कोई दो**) | **½ +½** |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | बुद्धिमान मूर्खों की सेवा हेतु विवश अथवा बुद्धि, क्षमता, सामर्थ्य की कद्र न होना एवं भोले–भाले, सरल हृदय वाले व्यक्तियों का गुजारा नहीं है। | **½ +½** |
| (घ) | ✓ | ✓ | ✓ | असामाजिक तत्त्व महान कहलाते हैं। उनका गुणगान होता है एवं धनिक प्रतिष्ठा, मान–सम्मान तथा धन वैभव पाते हैं। | **½ +½** |
| (ङ) | ✓ | ✓ | ✓ | दंगा–फसाद कराने वाले, अपराधी प्रवृत्ति के अथवा असामाजिक कार्यों में लिप्त। **(कोई दो बिंदु)** | **1** |
| 2. | | | | | **15 अंक** |
| (क) | ✓ | ✓ | ✓ | पाटलिपुत्र के 'धन्वन्तरि' कहे जाने वाले | **1+1=2** |



*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | वैद्य। दीर्घायु एवं सम्पन्न रहना जीवन का लक्ष्य अथवा आत्मा की मृत्यु पर विजय ही निर्वाण है। | |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | शरीर का स्वस्थ रहना मोक्ष नहीं है। देह व्याधि है, देह को अधिक समय तक रखना कष्टों को अधिक अवसर देना है। त्याग एवं वैराग्य से ही मोक्ष। शरीर के प्रति मोह न रखने से ही ईश्वर प्राप्ति। **(इनमें से कोई भी दो बिंदु)** | **1+1=2** |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | परस्पर स्नेह, हास – परिहास के आनन्द में रुचि, विचार–विमर्श के प्रति संलग्नता का भाव, कार्य निष्ठा आदि में से **कोई दो।** | **1** |
| (घ) | ✓ | ✓ | ✓ | क्योंकि एक परम सांसारिक तो दूसरा भिक्षु, एक स्वास्थ्य–सम्पन्नता प्रेमी तो दूसरा विरोधी, एक आत्मा की मृत्यु पर विजय को मोक्ष मानने वाला तो दूसरा देह त्याग को मोक्ष मानने वाला। **(इनमें से कोई दो विचार बिंदु)** | **1+1=2** |
| (ङ) | ✓ | ✓ | ✓ | देह द्वारा मृत्यु पर विजय मोक्ष नहीं, देह व्याधि है, इसे बनाए रखना कष्टों को अधिक अवसर देना (लाभ पहुँचाना) है। **(कोई एक–दो बिंदु)** | **1** |
| (च) | ✓ | ✓ | ✓ | देह को व्याधि युक्त रखकर भगवान की पूजा–आराधना ठीक से सम्भव नहीं है। व्याधि मुक्त शरीर ही ईश्वर में ध्यान लगाते हुए मोक्ष प्राप्ति संभव। (परीक्षार्थी के भिन्न विचारों का भी सम्मान | **1+1=2** |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | किया जाए।) **कोई दो विचार बिंदु** | |
| (छ) | ✓ | ✓ | ✓ | कर्मनिष्ठ, ईमानदार तथा सच्चे मानव विरोधी विचार के होते हुए भी सम्मान के पात्र होते हैं। अपने विचारों को, दूसरों के विचारों का सम्मान करते हुए मधुरता के साथ प्रकट करना चाहिए। (अन्य विचार भी) **कोई दो विचार**, जो मूल संदेश के निकट हों। | 1+1=2 |
| (ज) | ✓ | ✓ | ✓ | मृत्युंजय और संघमित्र/विचित्र मित्रता/निर्वाण (मोक्ष) रहस्य आदि। (अन्य उपयुक्त शीर्षक) | 1 |
| (झ) | ✓ | ✓ | ✓ | समर्पित – उपसर्ग – सम्, प्रत्यय – इत<br>विभूषित – उपसर्ग – वि, प्रत्यय – इत | ½+½ = 1 |
| (ञ) | ✓ | ✓ | ✓ | मिश्र/मिश्रित वाक्य | 1 |
| | | | | **खण्ड 'ख'** | |
| 3. | ✓ | ✓ | ✓ | भूमिका<br>विषय–वस्तु<br>भाषा–शैली | 1<br>3<br>1 } 5 अंक |
| 4. | ✓ | ✓ | ✓ | औपचारिकताएँ<br>विषय–वस्तु<br>भाषा–शैली | 1<br>3<br>1 } 5 अंक |
| 5. (क) | | | | | 1x5 = 5 अंक |
| (i) | ✓ | – | – | आम तौर पर अनियमितताओं, गड़बड़ियों, भ्रष्टाचार, अनुचित क्रिया–कलाप उजागर | 1 |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | करने वाली पत्रकारिता। | |
| (ii) | ✓ | – | – | अखबार, पत्रिकाएँ, टी.वी., रेडियो, इंटरनेट आदि। | 1 |
| (iii) | ✓ | – | – | दृश्य/घटना विशेष की प्राथमिकता सिद्ध करने संबंधी प्रत्यक्षदर्शियों के कथन। | 1 |
| (iv) | ✓ | – | – | 1. क्या, 2. किसको (कौन), 3. कहाँ, 4. कब, 5. क्यों, 6. कैसे ? | 1 |
| (v) | ✓ | – | – | किसी विषय विशेष पर तथ्य परक लेखन। | 1 |
| 5. | – | 5. (क) (i) | – | किसी भी खबर को कभी भी जाना जा सकता है/पुरानी खबरों को भी अपने समय की सुविधा से देखा जा सकता है/चर्चा–परिचर्चा में भाग लिया जा सकता है। **(कोई एक)** | 1 |
| | – | (ii) | – | क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कहाँ हुआ, कब, क्यों और कैसे हुआ। | 1 |
| | – | (iii) | – | सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, ज्ञानवर्धक एवं आत्मनिष्ठ लेखन। | 1 |
| | – | (iv) | – | किसी बड़ी खबर को तात्कालिक सूचना के रूप में कम से कम शब्दों में दर्शकों तक पहुँचाना। | 1 |
| | – | (v) | – | सन् 1956 में, गोवा में। | 1 |



collegedunia.com India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. | – | – | 5. (क) (i) | खेल, कारोबार, सिनेमा, मनोरंजन, फैशन, स्वास्थ्य, विज्ञान, पर्यावरण, शिक्षा, जीवन शैली, रहन–सहन में से कोई पाँच। | 1 |
| | – | – | (ii) | विचार परक लेखन का प्रमुख रूप/जाने माने लेखक अपने खास वैचारिक रुझान हेतु पहचान बना कर 'स्तंभ' में अपने विचार प्रस्तुत करते हैं। | 1 |
| | – | – | (iii) | पूर्णकालिक, अंशकालिक, फ्री लांसर/स्वतंत्र में से किन्हीं **दो** का उल्लेख। | 1 |
| | – | – | (iv) | इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान–प्रदान। | 1 |
| | | | (v) | घटना के दृश्य/विजुअल के आधार पर लिखित खबर को एंकर पढ़ता है। | 1 |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | विषयवस्तु<br>प्रस्तुतिकरण<br>भाषा–शैली | 2<br>2<br>1 } **5 अंक** |
| 6. | ✓ | ✓ | ✓ | विषयवस्तु<br>प्रस्तुतिकरण<br>भाषा–शैली | 2<br>2<br>1 } **5 अंक** |
| | | | | **खण्ड 'ग'** | |
| 7. (क) | ✓ | ✓ | ✓ | • स्नेह का कवि के लिए आनंद, उन्माद एवं मस्ती देने वाला होने के कारण।<br>• लोगों के कटु व्यवहार एवं चाटुकारिता के कारण। | **2x4 = 8 अंक**<br>1<br>1 } **2** |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | • अपने गीत गाने वालों (चाटुकारिता करने) को संसार महत्त्व देता है।<br>• कवि के स्वतंत्र चिंतन एवं निर्भीक अभिव्यक्ति के कारण। | 1<br>1 } 2 |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | प्रकृति प्रदत्त उपहार हैं; जो उसकी संवेदनाओं, भावनाओं एवं काव्य जगत को दिशा देते हैं। **(दो विचार बिंदु)** | 1+1=2 |
| (घ) | ✓ | ✓ | ✓ | • भौतिक संसार में सर्वत्र असंतुष्टि के कारण अपूर्णता विद्यमान है। जबकि<br>• कवि 'अपने सपनों के संसार' में अपने विचारों, भावनाओं, अनुभूतियों, संवेदनाओं आदि में पूर्ण संतुष्टि का अनुभव करता है। | 1<br>1 } 2 |
| —— | ——— | **अथवा** — | ——— | **अथवा** | |
| 7. (क) | ✓ | ✓ | ✓ | • शिशु/बच्चा।<br>• कोमलता, मोहक स्वरूप, सौंदर्य, शांति संतुष्टि। | 1<br>1 } 2 |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | • हाथों में लेकर झुलाना, उछालना, नहलाना, कंघी करना, कपड़े पहनाना।<br>• असीमित प्यार, ममता एवं मुग्ध होने के भाव की। | 1<br>1 } 2 |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | मासूमियत, स्नेह, आनंद, संतुष्टि, स्वाभाविकता आदि व्यंजित हुई है।<br>**(किन्हीं दो की स्पष्टता)** | 1+1=2 |
| (घ) | ✓ | ✓ | ✓ | माँ और बच्चे के घनिष्ठ एवं मधुर संबंध/दोनों का परस्पर लगाव, आकर्षण, | 1+1=2 |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | स्नेह आदि। माँ की बच्चे से मिलने से अपार संतुष्टि एवं बच्चे में माँ से मिलने से सुरक्षा की अनुभूति।<br>स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अन्य बिंदुओं को भी स्थान दिया जाना चाहिए।<br>**(किन्हीं दो बिंदुओं का स्पष्टीकरण)** | |
| 8. | | | | | **2x3 = 6 अंक** |
| (क) | ✓ | ✓ | ✓ | बाहु बल, प्रभु पद प्रीति, मन महुँ, जात सराहत, पुनि पुनि पवन कुमार में से **कोई दो।** | **1+1=2** |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | अनुप्रास अलंकार, पुनरुक्ति प्रकाश, अवधी भाषा, चित्रात्मक शैली, प्रसाद गुण।<br>**(किन्हीं दो का स्पष्टीकरण)** | **1+1=2** |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | हनुमान जी का भरत के प्रति प्रशंसा का भाव/ भरत की शक्तिमत्ता, शालीनता, गुण सम्पन्नता, राम के प्रति श्रद्धा–भक्ति का भाव। **(इनमें से कोई दो)** | **1+1=2** |
| | ——— | **अथवा –** | ——— | **अथवा** | |
| 8. | | | | | |
| (क) | ✓ | ✓ | ✓ | • 'खरगोश की आँखों से'।<br>• क्योंकि उसमें चंचलता, तीव्रता, कोमलता, चमक आदि हैं। **(कोई दो)** | **1**<br>**(½+½)** } **2** |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | • 'पंक्ति संख्या 4 से 7 तक कोई भी एक या दो पंक्तियाँ'<br>• परीक्षार्थी द्वारा पंक्ति के आधार पर स्पष्टीकरण। | **1**<br>**1** } **2** |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | उल्लास, मस्ती, शीघ्रता, आकर्षण, मोहक | **1+1=2** |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | स्वरूप, सुमधुर ध्वनियां की प्रचुरता आदि में से **कोई दो** बिंदुओं का उल्लेख एवं स्पष्टीकरण। | |
| 9. | | | | | **3+3 = 6 अंक** |
| (क) | ✓ | ✓ | ✓ | • चिड़िया की उड़ान सीमाएँ तोड़ने में सक्षम है, किंतु उसकी सीमा है।<br>• फूल का खिलना एवं सुगंध फैलाना भी अद्भुत है, किंतु नश्वर है।<br>• कविता बच्चे के असीम सपनों की तरह विलक्षण एवं असीमित है। | **1**<br>**1**<br>**1** } **3** |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | कविता का प्रतिपाद्य संवेदनहीन, भौतिकतावादी, व्यावसायिक एवं हृदयहीन है, जो मार्मिक किंतु अव्यावहारिक हैं। (परीक्षार्थी इसके पक्ष अथवा विपक्ष में अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं।) (कुल **तीन विचार** बिंदु अपेक्षित) | **1+1+1=3** |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | राम के प्रति कवि की एकनिष्ठ भक्ति, भक्ति ही जीवन का एकमात्र आधार, भक्ति के सम्मुख समस्त सांसारिक सुख तुच्छ, भक्ति के लिए कवि को पूर्ण स्वाभिमान आदि में से (**किन्हीं तीन** विशेषताओं की तर्क सहित प्रस्तुति) | **1+1=1=3** |
| 10. | 10. | 10. | 10. | | **2X4 = 8 अंक** |
| (क) | ✓ | ✓ | ✓ | हनुमान जैसा सेवाभाव, राम के प्रति हनुमान की अनन्य भक्ति के समान ही भक्तिन का महादेवी के प्रति समर्पण भाव। | |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | नाम लक्ष्मी था लेकिन भाग्य में लक्ष्मी की कृपा नहीं लिखी थी। लक्ष्मी नाम होते हुए | |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | भी अभाव में जीवन बीत रहा था। | |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | समाज में अनेक लोग अपने नाम के विरोधाभास के साथ रहते हैं। परीक्षार्थी कोई भी उदाहरण देकर अपनी बात स्पष्ट कर सकते हैं। | |
| (घ) | ✓ | ✓ | ✓ | वह अपना समृद्धिसूचक असली नाम 'लक्ष्मी' किसी को नहीं बताती। कंठीमाला को अपने 'भक्तिन' नाम से प्रकट करती है तथा पहचान बताती है। | |
| | ------ | **अथवा –** | ------ | **अथवा** | |
| (क) | ✓ | ✓ | ✓ | जिस बल पर जादू का प्रभाव नहीं होता, उसके आगे पैसा महत्वहीन हो जाता है। पैसा उस पर व्यंग्य नहीं कर पाता। वह समृद्धि में नहीं पनपता। | |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | हाँ, नैतिक बल ही होता है, यह बल मानसिक दृढ़ता में पनपता है। जब तृष्णा, धन की चाह होगी तब नैतिक बल होगा ही नहीं। | |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | धन प्राप्ति अधिक होने पर भी सदा असंतुष्ट रहना, अधिकाधिक की लिप्सा रखना। **परीक्षार्थी कोई भी तर्कसंगत उदाहरण दे सकते हैं।** | |
| (घ) | ✓ | ✓ | ✓ | निर्बल अपनी शक्तिहीनता को धन के बल से ढकने का प्रयास करता है। | |
| 11. (क) | 11. ✓ | 11. ✓ | 11. ✓ | इन्दर सेना पर वर्षा के लिए पानी फेंकना – पानी की बरबादी है। यह अंधविश्वास है – यही वैज्ञानिक सत्य है, किंतु जीजी के | **3x4 = 12 अंक** |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सम्मुख लेखक का तर्कहीन हो जाना – उनके सहज प्रेम की विजय है। | |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | ढोलक की आवाज दम तोड़ रहे ग्रामवासियों में ताकत का संचार करती है।<br>– ढोलक की ध्वनि को बीमारी से भिड़ उसे परास्त करने का मंत्र समझते हैं।<br>– 'भिड़ जा, उठा कर पटक दें – आदि कथ्यों से। | |
| (ग) | ✓ | ✓ | ✓ | चार्ली की फिल्में दर्शकों से उच्चतर अहसास की माँग करती हैं। उनकी फिल्मों का आनंद पागलखाने का मरीज और आइन्स्टीन जैसा विद्वान समान रूप से लेते हैं। | |
| (घ) | ✓ | ✓ | ✓ | मनुष्य की सक्षमता को प्रभावशाली प्रयोग से वंचित करना।<br>–दासता केवल कानूनी पराधीनता ही नहीं, बल्कि मानसिक पराधीनता भी है। | |
| (ङ) | ✓ | ✓ | ✓ | नमक की पुड़िया कैसे ले जाए ?<br>हाथ में ले ले, कस्टमवाले को दिखा दे, उनके मना करने पर छोड़ देगी। आदि<br>–नमक ले जाना गैरकानूनी था।<br>–कस्टम से गुजरने पर पकड़े जाने का भय आदि। | |
| 12. (क) | 12. ✓ | 12. ✓ | 12. ✓ | यशोधर बाबू को परिवार के सदस्यों की बातें पसंद नहीं। पत्नी, बच्चे सभी की बातें, आदतें उन्हें 'समहाऊ इंप्रॉपर' लगती। | 2+3 = 5 अंक |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | वहाँ के स्नानागार, पानी निकासी आदि की व्यवस्था; कुँए, वहाँ की खेती, नगर | |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | नियोजन आदि की उत्कृष्टता के कारण। | |
| 13. (क) | 13. ✓ | 13. ✓ | 13. ✓ | स्त्रियों के प्रति सम्मान की भावना, उनकी ममता, दया, त्याग आदि भावनाओं के साथ अन्य बिंदु भी अपेक्षित। | 3+2 = 5 अंक |
| (ख) | ✓ | ✓ | ✓ | पुरुष प्रधान समाज होने के कारण, अपना स्वाभिमान तथा अहंकार बनाए रखने के लिए, अधिकार भावना रखने के कारण आदि।<br><br>**(नोट – विद्यार्थियों की समझ तथा तर्क के आधार पर मूल्यांकन अपेक्षित।)** | |
| 14. | 14. | – | – | • नगर–नियोजन, इमारतें, सभा–भवन, सड़कें आदि की वास्तुकला को देखकर।<br>• भव्य होते हुए भी प्रदर्शन से दूर रहना।<br>• धातु और पत्थर की मूर्तियाँ, मृदभांडों पर चित्रित आकृतियाँ, खिलौने, केश–विन्यास आदि।<br>• सिंधु घाटी सभ्यता का सौन्दर्य बोध उसकी कला में दिखाई देती है।<br>• सौंदर्य बोध, सुरुचि<br>(**किन्हीं 5 बिंदुओं** का उल्लेख) | 5 अंक |
| | **अथवा –** | ––––– | ––––– | **अथवा**<br><br>यह विश्वास होना कि खेती से स्थिति नहीं बदलने वाली। पढ़ने पर नौकरी मिलेगी, | |



collegedunia
India's largest Student Review Platform

| प्रश्न सं. | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | दो–चार पैसे हाथ में रहेंगे। खेती में परिश्रम अधिक लाभ कम। खेती करने में होने वाली परेशानी को समझना। | |
| | ——— | 14. | ——— | फ्रैंक परिवार का गोपनीय स्थान पर जाने के लिए छिप कर जाने का प्रयास। ऐन की डायरी उनकी यातना भरे अनुभव को प्रस्तुत करती है। इस डायरी में भय, आतंक, भूख, प्यास, मानवीय संवेदनाएँ, प्रेम, घृणा आदि का चित्रण। | |
| | ——— | **अथवा** – | ——— | **अथवा**<br>–यशोधर बाबू की 'मैरिज एनीवर्सरी' की पार्टी के अवसर पर अरुचि का प्रदर्शन<br>–बेटे द्वारा हाथ पर वेतन न रखने की घटना।<br>(इसके अतिरिक्त अन्य घटनाओं के आधार पर भी) | |
| | ——— | ——— | 14. | मुअनजो–दड़ो की नगर–योजना एक उत्तम उदाहरण। आज की सेक्टर मार्का कॉलोनियों में हमें आड़ा–सीधा नियोजन बहुत मिलता है। लेकिन वह रहन–सहन को नीरस बनाता है। शहरों में अराजकता ज्यादा है। ब्रासिलिया, चंडीगढ़ तथा इस्लामाबाद आधुनिक शहरों के उदाहरण है। | |
| | ——— | ——— | **अथवा** | **अथवा**<br>पीढ़ी का अंतराल मूल संवेदना। यशोधर बाबू इसे स्वीकार करते हैं। यशोधर बाबू पुराने मूल्यों से बँधे हैं तथा उन्हें मानते हैं लेकिन परिवार के सभी सदस्य पत्नी तक आधुनिक जीवन शैली को जी रहे हैं। यशोधर बाबू को कार्यालय से घर तक अपनी विचारधारा का विरोध सहना पड़ता है। (अन्य तर्क भी संभव) | |



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform